गुरु नानक कॉलेज के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आज एक विभागीय कार्यक्रम आयोजित किया गया था जिसका शीर्षक था "गाथा - बिसरी यादें". इस कार्यक्रम के दौरान उन वीरांगनाओं की गाथा कही गई जिनका देश के स्वतंत्रता संग्राम में अद्भुत योगदान है, जिनमें से अधिकांश वीरांगनाएं दलित और पिछड़े समाज से संबंधित है तथा जिनके बारे में हिंदुस्तान में बहुत कम लोग किसी भी प्रकार की जानकारी रखते हैं। जिन वीरांगनाओं की गाथा कही गई उनके नाम है - कूयिलि, झलकारी बाई, उदा देवी, हेलेन लेपचा उर्फ सावित्री देवी, रानी गाइदिनल्यू ,पुतलमिया देवी पोद्दार, रानी चेन्नम्मा, बीना दास, बेगम हजरत महल और मातंगिनी हाजरा। कार्यक्रम का शुभारंभ विभागाध्यक्ष डॉ मीना मालखंडी ने किया, संचालन डॉ नीता ओझा के द्वारा किया गया और प्रोफेसर विशेश्वरी भट्टाचार्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर संजय प्रसाद ने कार्यक्रम की विवेचना करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम आने वाली पीढ़ियों के लिए बहुत ही उत्साहवर्धक होते हैं और यह भी कहा कि हम सबके लिए देश के स्वतंत्रता संग्राम में बलिदान करने वाले ऐसे गुमनाम वीरांगनाओं और शहीदों की जानकारी अवश्य होनी चाहिए। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ संजय प्रसाद, प्रोफेसर अमरजीत सिंह, प्रोफ़ेसर दीपक कुमार, प्रोफेसर संतोष कुमार,डॉ मीना मालखंडी, प्रोफेसर सोनू यादव, प्रोफेसर चिरंजीत अधिकारी, प्रोफेसर स्नेह, प्रोफेसर दलजीत सिंह, प्रोफेसर अभिषेक सिन्हा, प्रोफेसर अरनव सारखेल, प्रोफेसर करुणा सिंह, प्रोफेसर सिमरन छाबड़ा, लाइब्रेरियन नुसरत परवीनऔर बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

Picture Gallery

Guru Nanak College, Dhanbad
In Association with
Department of Political Science
गाथा - बिसरी यादें

Guru Nan
Departmer
गाथा -

Guru Nanak College, Dhanbad
In Association with
Department of Political Science
गाथा - बिसरी यादें

Press Release

गुरु नानक कॉलेज में स्वतंत्रता सेनानियों की वेशभूषा में छात्र-छात्राएं।

गुमनाम वीरांगनाओं और शहीदों को किया याद

गुरु नानक कॉलेज, धनबाद में राजनीति विज्ञान विभाग की ओर से "गाथा - बिसरी यादें" शीर्षक पर कार्यक्रम हुए। इस दौरान उन वीरांगनाओं की गाथा कही गई, जिनका देश की स्वतंत्रता संग्राम में अद्भुत योगदान रहा। वक्ताओं ने कहा कि अधिकांश वीरांगनाएं दलित व पिछड़े समाज से हैं, जिनके बारे में हिंदुस्तान में बहुत कम जानते हैं। प्राचार्य डॉ संजय प्रसाद ने कहा कि देश के स्वतंत्रता संग्राम की ऐसी गुमनाम वीरांगनाओं और शहीदों की जानकारी जरूर होनी चाहिए। मौके पर प्रो अमरजीत सिंह, प्रो दीपक कुमार, प्रो संतोष कुमार, डॉ मीना मालखंडी, प्रो सोनू यादव, प्रो चिरंजीत अधिकारी, प्रो स्नेह, प्रो दलजीत सिंह, प्रो अभिषेक सिन्हा, प्रो अरनव सारखेल, प्रो करुणा सिंह, प्रो सिमरन छाबड़ा, नुसरत परवीन आदि मौजूद थीं।

गुरुनानक कॉलेज में वीरांगनाओं की रूप में सजी छात्राएं।

गुरुनानक कॉलेज में वीरांगनाओं को याद किया

धनबाद। गुरुनानक कॉलेज के राजनीति विज्ञान विभाग की ओर से गाथा-बिसरी यादें कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उन वीरांगनाओं की गाथा का मंचन हुआ, जिनका देश के स्वतंत्रता संग्राम में अद्भुत योगदान है। इनमें कूयिलि, झलकारी बाई, उदा देवी, हेलेन लेपचा उर्फ सावित्री देवी, रानी गाइदिनल्यू, पुतलमिया देवी पोद्दार, रानी चेन्नम्मा, बीना दास, बेगम हजरत महल और मातंगिनी हाजरा शामिल हैं। डॉ संजय प्रसाद, डॉ मीना मालखंडी, डॉ नीता ओझा, प्रो. विशेश्वरी भट्टाचार्य, प्रो. अमरजीत सिंह, दीपक कुमार आदि थे।